स्वर्ग राज्य का शास्त्री

वचन की सेवा[1]

✠

> फिर यीशु ने उनसे कहा, “इसलिए हर एक शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य का चेला बना है, उस गृहस्थ के समान है जो अपने भण्डार से नई और पुरानी वस्तुएँ निकालता है।”
>
> मत्ती 13:52 (IRV)

> “इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ताओं और बुद्धिमानों और शास्त्रियों को भेजता हूँ; और तुम उनमें से कुछ को मार डालोगे, और क्रूस पर चढ़ाओगे; और कुछ को अपने आराधनालयों में कोड़े मारोगे, और एक नगर से दूसरे नगर में खदेड़ते फिरोगे।...”
>
> मत्ती 23:34 (IRV)

✠

स्वागत है

बिशप Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.‡ की वेबसाइट के मुखपृष्ठ पर आपका स्वागत है। चाहे आप कैथोलिक हों, ऑर्थोडॉक्स, लूथरन, मेथोडिस्ट या बैपटिस्ट हों, किसी अन्य संप्रदाय के सदस्य हों, या अविश्वासी हों, हमें बहुत प्रसन्नता है कि आप यहाँ हैं और आपने परमेश्वर का वचन पढ़ने के लिए समय निकालना चुना है, और विश्वास के विषय में एक ऐसे दृष्टिकोण के लिए अपना मन खोलना चुना है जो शायद भिन्न हो, या विश्वास के विषय में अपने ही दृष्टिकोण में दृढ़ होना चुना है। “स्वर्ग राज्य का शास्त्री” 42 भाषाओं में प्रकाशित होता है। इस वेबसाइट का मुख्य उद्देश्य यीशु मसीह के सुसमाचार को सब जातियों तक फैलाना है।[2] यह जानने का कोई प्रयास नहीं किया जाता कि आप कौन हैं; साइट केवल मुलाकातों की अनाम कुल संख्या रखती है। आपके फोन या कंप्यूटर पर कोई कुकी स्थापित नहीं की जाती। कुछ भी बेचा नहीं जाता, और कुछ भी माँगा नहीं जाता। एकमात्र उद्देश्य परमेश्वर पिता की और उनके एकलौते पुत्र यीशु मसीह की महिमा करना है,[3] और हम प्रार्थना करते हैं कि यहाँ रहते समय पवित्र आत्मा आपके मन को प्रकाशित करे और आपके हृदय को खोले।[4]

वेबसाइट का नाम, “स्वर्ग राज्य का शास्त्री”, बिशप बायर्स की बुलाहटों में से एक से लिया गया है। बिशप की दो बुलाहटें हैं: पहली, प्रेरितिक उत्तराधिकार में एक बिशप के रूप में, और दूसरी, स्वर्ग के राज्य के एक शास्त्री के रूप में, जैसा कि हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह ने कहा है।[5]

बिशप बायर्स प्रेरितिक आदेश के अधीन जातियों के लिए एक बिशप हैं, जिसकी व्याख्या इस वेबसाइट पर आगे की गई है। उनकी बुलाहट किसी कलीसिया की पासबानी करने या किसी धर्मप्रांत का शासन चलाने की नहीं, बल्कि प्रेरितिक अधिकार के साथ लिखने और वचन की सेवा के द्वारा परमेश्वर के लोगों के लिए खरी शिक्षा प्रस्तुत करने की है।[6] वे किसी संप्रदाय की ओर से नहीं बोलते, हर मसीही परंपरा की गवाही का स्वतंत्र रूप से सहारा लेते हैं, और मसीह की कलीसिया की एकता चाहते हैं।

इसमें वे उन लोगों का अनुसरण करते हैं जो उनसे पहले हुए। एज्रा याजक “मूसा की व्यवस्था के विषय जिसे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने दी थी, निपुण शास्त्री” थे, जिन्होंने “यहोवा की व्यवस्था का अर्थ जान लेने, और उसके अनुसार चलने, और इस्राएल में विधि और नियम सिखाने के लिये अपना मन लगाया था”।[7] संत जेरोम ने, जब उन्हें प्राचीन (प्रेस्बिटर) के पद पर अभिषिक्त किया गया, यह माँगा कि वह अभिषेक उनसे वह मठवासी जीवन न छीने जिसके लिए उन्होंने संसार को त्याग दिया था,[8] और उन्होंने अपना जीवन पवित्रशास्त्र के अनुवाद और व्याख्या में लगा दिया। संत बीड ने अपना पूरा जीवन वेयरमाउथ और जैरो के मठ में बिताया और अपने विषय में लिखा: “मैंने अपने आप को पूरी तरह पवित्रशास्त्र के अध्ययन में लगा दिया; ... मुझे सीखने, या सिखाने, या लिखने में सदा आनंद मिलता रहा।”[9]

बिशप बायर्स आपको प्रोत्साहित करते हैं कि आप किस कलीसिया में आराधना के लिए जाएँ, यह निर्धारित करने में पवित्र आत्मा की अगुवाई का अनुसरण करें,[10] और ऐसा स्थान खोजें जो सच्ची शिक्षा देता हो और जो आपको आत्मिक रूप से पोषित करता हो।[11] वे किसी कलीसिया की पासबानी करना नहीं चाहते, और न ही वे एक भ्रमणशील सुसमाचार-प्रचारक बनना चाहते हैं। बिशप बायर्स पवित्र आत्मा की अगुवाई के अनुसार सच्ची शिक्षा देते हैं, और प्रार्थना करते हैं कि आप जहाँ कहीं भी हों, परमेश्वर का वचन पढ़ने के कारण आशीष पाएँ।[12]

✠

देखें

पहले इसे पढ़ें

यदि आप बिशप के क्रमांकित सैद्धान्तिक वक्तव्य पढ़ने जा रहे हैं, तो आपसे आग्रहपूर्वक अनुशंसा की जाती है कि आप यह प्रार्थना करें, और भाग दो में दिए गए बाँधने के अंश को पढ़ें और उससे सहमति दें, ताकि आप बिना किसी बाधा और रुकावट के पढ़ सकें।

बिशप के विषय में

उनका बपतिस्मा, अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक, तथा प्रत्येक की पुष्टि करने वाले दस्तावेज़।

व्यक्तिगत आदेश

बिशप और स्वर्ग के राज्य के शास्त्री के रूप में उनकी बुलाहट, बारह बिंदुओं में प्रस्तुत।

प्रेरितिक उत्तराधिकार

उनके उत्तराधिकार-क्रम, एक-एक बिशप करके, प्रेरितों तक।

प्रकाशन

उनके लेख, प्रकाशन के क्रम में क्रमांकित, उनके वर्गीकरण सहित।

दस राज्य

उनके लेख, उन कलीसियाओं के अनुसार जिन्हें वे संबोधित हैं।

बिशप की मुहर

मुहर और उसके आदर्श-वाक्य का अर्थ।

संसाधन

पवित्रशास्त्र और आरंभिक कलीसिया के सार्वजनिक डोमेन के ग्रंथ, निःशुल्क उपलब्ध।

विशेष परियोजनाएँ

प्रकाशितवाक्य, अर्थात महान जागृति, आरम्भ हो चुका है। विशेष परियोजनाएँ हर-मगिदोन में पशु के साथ अन्तिम युद्ध से पहले कलीसिया के कार्य को दिशा देती हैं।

बिशप की मेज़ से

प्रार्थना-निवेदन, सूचनाएँ और दिन के विषय।

संपादकीय परिपाटियाँ

इस वेबसाइट पर पालन किए जाने वाले लेखन के नियम: पवित्रशास्त्र, प्रामाणिक स्रोत, संदर्भ और शैली।

बिशप से संपर्क करें

बिशप को निजी रूप से, बिना ईमेल के, प्रार्थना-निवेदन या संदेश भेजें।

✠

नवीनतम लेख

लेख प्रकाशित होते ही यहाँ दिखाई देंगे।

✠

Euntes in Mundum Universum: “तुम सारे जगत में जाकर...” (मरकुस 16:15, IRV)

पत्राचार

ईमेल द्वारा, या बिशप से संपर्क करें पृष्ठ के माध्यम से।

BISHOP@THEKINGDOMSCRIBE.NET

टिप्पणियाँ

पवित्रशास्त्र के उद्धरण इंडियन रिवाइज़्ड वर्शन (IRV) हिंदी 2019 से लिए गए हैं। मसीह के वचन, उनके उद्धरण-चिह्नों सहित, लाल रंग में छापे गए हैं। NPNF2 = Nicene and Post-Nicene Fathers, Second Series (नीकिया और नीकिया-उत्तर पिता, द्वितीय शृंखला)।

1 प्रेरितों के काम 6:4 (IRV) “परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।””

2
मत्ती 28:19 (IRV) “इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो,”

मरकुस 16:15 (IRV) “और उसने उनसे कहा, “तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।”

3 यूहन्ना 3:16 (IRV) ““क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।”

4 इफिसियों 1:17–18 (IRV) “कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर जो महिमा का पिता है, तुम्हें बुद्धि की आत्मा और अपने ज्ञान का प्रकाश दे। और तुम्हारे मन की आँखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि हमारे बुलाहट की आशा क्या है, और पवित्र लोगों में उसकी विरासत की महिमा का धन कैसा है।”

5 मत्ती 13:52 (IRV) “फिर यीशु ने उनसे कहा, “इसलिए हर एक शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य का चेला बना है, उस गृहस्थ के समान है जो अपने भण्डार से नई और पुरानी वस्तुएँ निकालता है।””

6
प्रेरितों के काम 6:4 (IRV) “परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।””

तीतुस 1:9 (IRV) “और विश्वासयोग्य वचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है, स्थिर रहे; कि खरी शिक्षा से उपदेश दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके।”

बिशप का आदेश व्यक्तिगत आदेश पृष्ठ पर प्रस्तुत किया गया है।

7

एज्रा 7:6 (IRV) “यही एज्रा मूसा की व्यवस्था के विषय जिसे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने दी थी, निपुण शास्त्री था। उसके परमेश्वर यहोवा की कृपादृष्टि जो उस पर रही, इसके कारण राजा ने उसका मुँह माँगा वर दे दिया।”

एज्रा 7:10 (IRV) “क्योंकि एज्रा ने यहोवा की व्यवस्था का अर्थ जान लेने, और उसके अनुसार चलने, और इस्राएल में विधि और नियम सिखाने के लिये अपना मन लगाया था।”

8 जेरोम, पम्माकियस को, यरूशलेम के यूहन्ना के विरुद्ध 41 (NPNF2 6) “मान लीजिए कि उसे आपने अभिषिक्त किया होता; तो वह आपसे केवल वही कहता जो मैंने, एक दीन-हीन मनुष्य ने, धन्य स्मृति वाले बिशप पौलिनुस से कहा था। क्या मैंने आपसे अभिषिक्त किए जाने की माँग की थी? मैंने कहा। यदि प्राचीन (प्रेस्बिटर) का पद देते हुए आप हमसे मठवासी अवस्था नहीं छीनते, तो आप जैसा सबसे अच्छा समझें, अभिषेक दे सकते हैं या रोक सकते हैं। परन्तु यदि प्राचीन का नाम देने में आपका उद्देश्य मुझसे वह छीन लेना था जिसके लिए मैंने संसार को त्याग दिया, तो मुझे अब भी यही दावा करना होगा कि मैं वही हूँ जो मैं सदा था; मुझे अभिषिक्त करने से आपकी कोई हानि नहीं हुई।” (NPNF2 6 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) अनुवादक: W. H. Fremantle, G. Lewis और W. G. Martley, NPNF2 खंड 6 में, संपादक Philip Schaff और Henry Wace (1893); New Advent के हल्के-से संशोधित पाठ में जैसा दिया गया है, वैसा ही उद्धृत, यहाँ: https://www.newadvent.org/fathers/3004.htm।

9 बीड, कलीसियाई इतिहास 5.24 “उसी मठ की भूमि में जन्म लेने के बाद, मुझे सात वर्ष की आयु में, संबंधियों की देखभाल से, अति आदरणीय मठाधीश बेनेडिक्ट के पास, और बाद में चेओल्फ्रिड के पास शिक्षा पाने के लिए सौंप दिया गया, और अपने जीवन का शेष सारा समय उस मठ के निवासी के रूप में बिताते हुए मैंने अपने आप को पूरी तरह पवित्रशास्त्र के अध्ययन में लगा दिया; और मठवासी नियम के पालन, और गिरजाघर में प्रतिदिन गाने के दायित्व के बीच, मुझे सीखने, या सिखाने, या लिखने में सदा आनंद मिलता रहा।” (Sellar के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) Bede’s Ecclesiastical History of England, अनुवादक A. M. Sellar, 386–87 (Project Gutenberg eBook #38326)।

10

यूहन्ना 16:13 (IRV) “परन्तु जब वह अर्थात् सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा, परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा।”

रोमियों 8:14 (IRV) “इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं।”

11

इब्रानियों 10:25 (IRV) “और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों-ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो।”

यिर्मयाह 3:15 (IRV) ““मैं तुम्हें अपने मन के अनुकूल चरवाहे दूँगा, जो ज्ञान और बुद्धि से तुम्हें चराएँगे।”

12 प्रकाशितवाक्य 1:3 (IRV) “धन्य है वह जो इस भविष्यद्वाणी के वचन को पढ़ता है, और वे जो सुनते हैं और इसमें लिखी हुई बातों को मानते हैं, क्योंकि समय निकट है।”

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।